ट्रंप टैरिफ की मार झेल रहे कारोबारियों-निर्यातकों को प्रदेश सरकार ने दी बड़ी राहत

यूपी से अधिक निर्यात करने वालों को 20 लाख रुपये तक प्रोत्साहन

शासनादेश

लखनऊ, विशेष संवाददाता। ट्रंप टैरिफ के बाद राज्य सरकार यूपी के निर्यातकों को राहत पर राहत देती जा रही है। उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति-2025-30 के तहत निर्यात प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने के लिए निर्यातकों को वर्ष दर वर्ष निर्यात में बढ़ोत्तरी करनी होगी। निर्यात में जितनी बढ़ोत्तरी होगी संबंधित इकाई को उसका एक प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इसका लाभ कम से कम तीन साल से निर्यात करने वालों को दिया जाएगा। बंदरगाहों तक माल पहुंचाने के लिए निर्यातकों 20 से 40 हजार रुपये का वित्तीय प्रोत्सहन दिया जाएगा। 20 फुट के कंटेनर से माल भेजने पर 20 हजार रुपये, 40 फुट के कंटेनर से माल भेजने पर 40 हजार रुपये या कुल माल भाड़े का अधिकतम 30 प्रतिशत राशि का भुगतान निर्यातकों को दिया जाएगा।

- इसका लाभ कम से कम तीन साल से निर्यात करने वालों को दिया जाएगा
- बंदरगाह तक माल पहुंचाने के भाड़े में मदद दी जाएगी

अपर मुख्य सचिव एमएसएमई आलोक कुमाप ने मंगलवार को शासनादेश जारी किया। शासनादेश के मुताबिक़ निर्यात के जोखिम से बचाव के लिए भारतीय निर्यात क्रेडिट गारंटी निगम (ईसीजीसी)से निर्यात साख बीमा कराने वाले निर्यातकों को प्रीमियम का 30 प्रतिशत या अधिकतम पांच लाख रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसी प्रकार निर्यात साख बीमा योजना का लाभ लेने के लिए निर्यातकों को बीमा कराने से 90 दिनों के भीतर आवेदन करना होगा। डाकघर निर्यात केंद्र सहायता योजना के तहत विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्यात पर डाक खर्च का 75 प्रतिशत या प्रति निर्यातक एक वर्ष में अधिकतम एक लाख रुपये का प्रोत्साहन दिए जाने का प्रविधान किया है। इसमें जीएसटी को शामिल नहीं किया जाएगा।

बायर-सेलर मीट में हिस्सा लेने वालों को वित्तीय मदद

सेवा क्षेत्र के निर्यातकों को भी विदेश में आयोजित होने वाले मेलों व बायर-सेलर मीटर में प्रतिभाग करने पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। आइटी, आइटीईएस, फिनटेक, पर्यटन. स्वास्थ्य, लाजिस्टिक, परिवहन, आपूर्ति श्रृंखला, आडियो-विजुअल सहित संबंधित क्षेत्रों के निर्यातकों को मेलों व प्रदर्शनियों में स्टाल लेने पर लागत का 75 प्रतिशत या दो लाख रुपये जो कम हो दिया जाएगा।

पश्चिम में मिले सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव

लखनऊ। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5) के लिए निवेश प्रस्ताव आने शुरू हो गए है। यूपीसीडा को पश्चिमांचल में निवेश के लिए सबसे ज्यादा प्रस्ताव मिले हैं। इन्वेस्ट यूपी सभी विभागों से प्राप्त हो रहे निवेश के प्रस्तावों का सत्यापन कराने में जुटा है। पश्चिमांचल में निवेश के लिए 2800 से अधिक प्रस्ताव यूपीसीडा के पास आए हैं। मध्यांचल में निवेश के लिए 475 से अधिक, पूर्वांचल के लिए करीब 374 तथा बुंदेलखंड में निवेश के लिए करीब 111 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नोएडा में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ानों का संचालन शुरू होने के मद्देनजर पश्चिमांचल में निवेशकों से सबसे ज्यादा रुचि दिखाई है। जेवर हवाई अड्डे का उद्घाटन इसी माह में किया जाना है। इसके बाद दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों को नई रफ्तार मिलेगी।